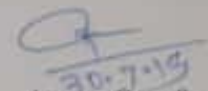
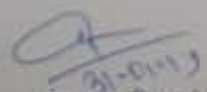
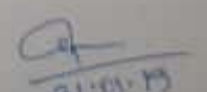


अंचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद।

विधि वाद सं० 16 / 2019-20

दिनांक	आदेश फलक	अभियुक्ति
30/7/19	<p>आवेदक श्री बलराज देवरालिया पिता श्री जगन्नाथ देवरालिया सर्वोच्च राजमज, धनबाद द्वारा कार्यालय में एक आवेदन पत्र समर्पित कर मांग करते हैं कि इनका खरीदगी भूमि मौजा धनबाद मौजा नं० 51, में खाता नं० 162 प्लॉट नं० 295 अंश रकबा 04 कट्टा 02 छटाक खरीदगी भूमि है। जिसका दाखिल खारिज केश सं० 76(111) 2005-06 है। लिपिकीय मूल से रसीद खाता 165 खेसरा 295 अंश रकबा 04 कट्टा 02 छटाक कट रहा है। आवेदन पत्र में संशोधित की मांग की गयी है। जिसका मूल आवेदन पत्र जीव हेतु हल्का कर्मचारी को दें।</p> <p style="text-align: center;">अभिलेख दिनांक <u>31-07-19</u> को उपस्थित करें।</p> <div style="text-align: right; margin-top: 10px;">  <u>30-7-19</u> अंचल अधिकारी, धनबाद। </div>	
31/1/20	<p>आज अभिलेख उपस्थापित। संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक के जीव प्रतिवेदन प्राप्त। राजस्व कर्मचारी द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि मौजा धनबाद मौजा नं० 51, के खाता नं० 162 प्लॉट नं० 295 अंश रकबा 04 कट्टा 02 छटाक भूमि सर्वे खतियान के अनुसार रैयती खाते की भूमि है। आवेदक बलराज देवरालिया द्वारा निबंधित कवाला सं० 10638 दिनांक 31.12.2004 द्वारा मौजा धनबाद के खाता नं० 162 प्लॉट नं० 295 अंश रकबा 04 कट्टा 02 छटाक भूमि खरीद की गयी है। जिसका नामान्तरण वाद सं० 76(111) 2005-06 के अनुसार पंजी 2 में जमाबंदी रैयत के नाम कायम है। परन्तु खाता नं० 162 की जगह पंजी 02 में खाता नं० 165 दर्ज हो गया है जो लिपिकीय मूल है। आवेदक द्वारा दावे के समर्थन में कवाला एवं दिनांक 03.08.2019 की तिथि में जिला अभिलेखागार, धनबाद से अभिप्रेषित पत्र दाखिल किया गया है। उपलब्ध कराये गये सभी राजस्व कागजात से प्रतीत होता है कि खाता नं० 165 की जगह 162 होना आवेदक का दावा सही है।</p> <p>अतः हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक के प्रतिवेदन का अवलोकन किया। अवलोकनोपरान्त निर्देश दिया जाता है कि पंजी 02 में रैयत बलराज देवरालिया के नाम कायम जमाबंदी सं० 1331 में खाता नं० 165 की जगह 162 संशोधन करना सुनिश्चित करेंगे।</p> <p>लेंखापित एवं संशोधित।</p> <div style="display: flex; justify-content: space-between; margin-top: 20px;"> <div style="width: 45%;">  <u>31-07-19</u> अंचल अधिकारी, धनबाद। </div> <div style="width: 45%;">  <u>31-07-19</u> अंचल अधिकारी, धनबाद। </div> </div>	

लैवा में,
अंचल आधिकारी
राजवाड़

द्वारा - अंचल निरीक्षक

विषय - बयान देवरसिपा द्वारा लक्षित कार्डिंगपट के कार्डों में जोन प्रतिकृत का विषय।

संक्षेप,

उपरोक्त विषय के संबंध में कार्डिंग बयान देवरसिपा के कार्डिंगपट के कार्डों में पंजी-2 के अनुसार जोन किया। पंजी-2 के जम्मादे लें - 1331 में बयान देवरसिपा पिना जंगल देवरसिपा के जंगल रखना 165 लिखा - 295 रुका 450 2 दशकों की जम्मादे टा 0 रुका वाद लें - 74 (III) 2005-06 के कार्डिंगपट कायद है। कार्डिंग द्वारा लक्षित किया गया की- कार्डिंग में रखना - 162 अंकित है लें टा 0 रुका की प्रति में रखना - 165 अंकित है किया गया में अंकित है। पंजी-2 में लें रखना लें लें रखना है। विविध वाद के साध्य लें पंजी-2 में लें रखना के पठचार लें करने हेतु कार्डिंग कार्डों की जा लें लें है।

9

राजवाड़ काजगत
अनुसार रखना 295 पना
162 की जोन पंजी-2
के अंकित लें लें लें लें
रखना 295 रखना - 162 की
विविध जम्मादे
कार्डिंग विविध वाद
के साध्य लें लें लें लें
जोना लें लें लें लें

आपका निदेशान
Raj
KE-3

के अनुसार जम्मादे
जोना लें लें लें लें
Raj
KE-3

संचाल आधिकारी का कार्यालय, धतकाद

आदिवासी

आदिवासी बराराज देवराणिचा पिता श्री
 जयनाथ देवराणिचा ह्याकड राजाज धतकाद
 गाव कार्यालय में एक कार्यालय फा निर्मित
 कर मांग कर रहे हैं कि उनका खरीदार
 श्री मीजा-धतकाद धाता लं०-५१ में केवला
 लं०-~~३५५~~ १०६३८ दिनांक ३१-१२-२००५ द्वारा
 मीजा-धतकाद धाता लं०-५१ में खाना-१६२
 एका २९५ अंठा रुका - ५ कडा २ हरोक
 खरीद की गई है जिसका दां० धाता
 लं० ७६(११)-२००५-०६ है। लिपिकीय हत लं०
 खरीद खाना-१६५ खैला-२९५ अंठा रुका
 ५ कडा २ हरोक का कट रत है। कार्यालय
 फा में लेखीयत की मांग की गई है।
 हत कार्यालय लं० धतकाद राजाज कार्यालय
 की जांच हेतु है। एव एक पत्र में प्रतिक्रिया
 की मांग करें।

अभिलेख दिनांक _____ को उपस्थापित
 करें।

अंत अंत
 -धतकाद

अभिलेख उपस्थापित। राजाज कार्यालय का
 जांच प्रतिक्रिया अंतका निरीक्षक के माध्यम
 लं० प्राप्त है। राजाज कार्यालय द्वारा प्रतिक्रिया
 किया गया कि श्री मीजा धतकाद धाता लं०
 ५१ के खाना १६२ खैला-२९५ अंठा रुका
 ५ कडा २ हरोक को लं० खाना के अंतका
 खरीद खाने की भी है। आदिवासी बराराज
 देवराणिचा द्वारा निर्देशित केवला लं० १०६३८
 दिनांक ३१/१२/२००५ द्वारा मीजा धतकाद
 के खाना-१६२ खैला-२९५ अंठा रुका
 खत ५ कडा २ हरोक को खरीद की गई है।

को नामांतरण वाद सं० 76-III - 2005-06
 अनुदान पेंडी-2 में जमाबंदी हैयत के
 नाम कायम है। परंतु खता 162 की जगह
 पेंडी-2 में खता-165 बनी में जमा है जो
 सिविलिक रिप्लीकीव अंतर्गत है। कांस्ट्रक् द्वारा
 कार्य के हस्तांतर में केवाला, एक दिनांक 30/11/19
 की तिथि में जितना अभिलेखाणा, पानकाह
 है अभिप्रमाणित प्रति दाखिल किया गया है।

उपरोक्त कार्य में लगी राजस्व कागजात
 में प्रतीत होता है कि खता-165 की जगह
 162 हीना कांस्ट्रक् का दावा करी है।

राजस्व कर्षीचारी द्वारा सं०-3 को निर्देश
 दिया जाता है कि पेंडी-2 में हैयत
 बखराज देवरायणा के नाम कायम जमाबंदी
 सं०-1931 में खता-165 की जगह 162
 संबोधित करना सुनिश्चित करें।

— ब्रिचाल अधिचारी
 पानकाह